



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ९] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 2, 1996 (फाल्गुन 12, 1917)  
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 2, 1996 (PHALGUNA 12, 1917)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग IV [PART IV]

### गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन और सूचनाएं [Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies.]

#### नाम परिवर्तन

मैं, अब तक यशवंत कमलाकर मांडवकर के नाम से ज्ञात कार्यालय विभागीय तार घर माटुंगा मुम्बई-400019 में टि/ओ स्टाफ नं. 7313 पद पर कार्यरत, निवासी आदर्श समाज चक्की बान, अशोक बाल नं. 2/9 अहमदाबाद रोड, सांताक्रूज पूर्व मुम्बई-400055 ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात् मेरा नाम यशवंत कमलाकर बामे होगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी शर्तों को पूरा कर लिया है ।

यशवंत कमलाकर मांडवकर  
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

मैं, अब तक जय शंकर के नाम से ज्ञात सूपत्र श्री स्व. पन्ना लाल, कार्यालय पूर्व रेलवे कारखाना, लिलुया, हावड़ा में खलामी हेल्लर पद पर कार्यरत, निवासी 38/53, फकीर बगान रेल, थाना गोलाबारी, जिला हावड़ा ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात् मेरा नाम जय शंकर साव होगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी शर्तों को पूरा कर लिया है ।

जय शंकर  
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

मैं, अब तक बलदेव सिंह के नाम से ज्ञात सूपत्र श्री जवाहर लाल, कार्यालय प्रधान डाक घर शिवपुरी में पद पर कार्यरत, निवासी अम्बेडकर कालोनी शिवपुरी (मध्य प्रदेश) ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात् मेरा नाम बलदेव सिंह आर्य होगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी शर्तों को पूरा कर लिया है ।

बलदेव सिंह  
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

मैं, अब तक श्री राम चर्मकार के नाम से ज्ञात सूपत्र श्री पंछी लाल, कार्यालय उप डाक घर मंसिरिया में डाक सहायक पद पर कार्यरत, निवासी उप डाक घर मंसिरिया जिला रोहतास ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात् मेरा नाम श्री राम वर्मा होगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी शर्तों को पूरा कर लिया है ।

श्री राम चर्मकार  
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

में, अब तक वीर चन्द्र भाई खातु भाई बनकर के नाम से ज्ञात सुपुत्र श्री खातु भाई बनकर, कार्यालय कमिशनर ऑफिस स्टेशन एक्सचेंज में नवरंगपुरा अहमदाबाद पद पर कार्यरत, निवासी सी कोलोनी ब्लॉक नं. 26/615 अशोक मील के सामने नरोडा राई अहमदाबाद ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात् मेरा नाम वीर चन्द्र भाई खातु भाई परमार होगा।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी शर्तों को पूरा कर लिया है।

वीर चन्द्र भाई खातु भाई बनकर  
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

में, अब तक राजेन्द्र कुमार के नाम से ज्ञात सुपुत्र श्री गंगा राम, कार्यालय हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, कामर्स हाउस, करीम भोय रोड, बेलार्ड एस्टेट, बंबई-400001 में सहायक निबंधक (हिन्दी टंकण/आश्लिपि) पद पर कार्यरत, निवासी 99/3887 स्टैटर-7, सी.जी.एस. कोलोनी, एन्टाप हिल, बम्बई-400037 ने अपना नाम बदल लिया है और इसके पश्चात् मेरा नाम राजेन्द्र कुमार केनिक होगा।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस बारे में अन्य कानूनी शर्तों को पूरा कर लिया है।

राजेन्द्र कुमार  
हस्ताक्षर (वर्तमान पुराने नाम के अनुसार)

दिनांक 10-1-1994 को प्रबंध परिषद द्वारा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के उप-नियम में संशोधन और दिनांक 17-01-1994 को संबी द्वारा अनुमोदन देखें इस संबंध में पत्र सं. एसएमडी/1/0317/94।

वर्तमान उप-नियम सं. 69 के बाव निम्नलिखित उप-नियमों अर्थात् 69 क, 69 ख, 69 ग, 69 घ, 69 ङ, 69 छ को शामिल किया जाता है जो इस प्रकार हैं :

#### 69 वर्जित सीमान्त शर्तों का अपवंचन

कोई भी सदस्य अपवंचन को उद्देश्य से प्रत्यक्ष या पराक्ष रूप से कोई समझौता नहीं करेगा या इस संबंध में किसी प्रक्रिया को अपनाएगा अथवा इन उप-नियमों और विनियमों के अन्तर्गत निर्धारित सीमांत शर्तों के अपवंचन में सहायता करेगा।

#### पूँजीगत उपयुक्तता शर्तों के अंतर्गत समझौता

69 क पूँजीगत उपयुक्तता शर्तों में दो छंटक शामिल होंगे :—

##### (क) आधारभूत न्यूनतम पूँजी

एक्सचेंज के सदस्य दलालों द्वारा एक्सचेंज में प्रतिबंधित न्यूनतम 2 लाख रु. जमा के रूप में रखे जाएंगे। यह शर्त व्यक्तिगत दलाल के कारोबार की मात्रा से निरपेक्ष होगी। संस्था अंतर्निर्गत के अनुसार एक्सचेंज में सदस्यों द्वारा रखी गई प्रतिभूति जमा आधारभूत न्यूनतम पूँजी का भाग होगी।

आधारभूत न्यूनतम पूँजी के रख-रखाव का प्रपत्र

आधारभूत न्यूनतम पूँजी के 25% का रख-रखाव एक्सचेंज की नकदी में किया जाएगा। दूसरे 25% को बैंक में दीर्घकालीन (3 वर्ष या अधिक) मीमादी जमा के रूप में रखा जाएगा जिस पर स्टॉक एक्सचेंज को पूर्णतया भारमुक्त एवं शर्त रहित पुनर्ग्रहणाधिकार

प्राप्ति है। शेष धनराशि का रख-रखाव 30% अतिरिक्त राशि सहित प्रतिभूतियों के रूप में किया जाएगा। प्रतिभूतियों के रूप में आधारभूत न्यूनतम पूँजी का भाग उन प्रतिभूतियों के बराबर होगा जो सदस्य के नाम से हैं। इस संबंध में जमा प्रतिभूतियाँ एक्सचेंज के पक्ष में बंधकों के रूप में होंगी और स्वयं तथा एक्सचेंज संबंधित कर्तबगारों की संयुक्त रूप से बंधकों की वास्तविकता के विषय में सूचित करेंगे। एक्सचेंज द्वारा बाजार के उतार-चढ़ाव का ध्यान में रखकर कम से कम प्रत्येक दो माह में प्रतिभूतियों की सूची की समीक्षा की जाएगी। और आवश्यक होने पर एक्सचेंज अतिरिक्त प्रतिभूतियों की मांग कर सकता है।

#### (ख) कारोबार की मात्रा से संबंधित अतिरिक्त या वैकालिक पूँजी

किसी सदस्य की अपेक्षित अतिरिक्त या वैकालिक पूँजी किसी भी समय इस प्रकार होगी कि यह आधारभूत न्यूनतम पूँजी को मिलाकर एक्सचेंज के सकल बकाया कारोबार के 8% से कम न हो। सकल बकाया कारोबार से अभिप्राय होगा चालू निपटारे के दौरान किसी भी सदस्य सदस्य दलालों द्वारा प्रतिभूतियों में कुल अक्षतम बिक्री या खरीद (जिसमें अंतर-ग्राहक का कारोबार भी शामिल है) जिसे एक्सचेंज में निष्पादित नहीं किया गया है।

व्याख्या :—ग्राहक की ओर से की गई बिक्री और खरीदों पर लाभ की अनुमति नहीं दी जाएगी। तथापि, दलाल द्वारा उसी प्रतिभूति में रखे की गई बिक्री और खरीदों पर लाभ की अनुमति होगी और यह मूल्यंतर तक सीमित होगा।

8% की सकल पूँजी की आवश्यकता, आधारभूत न्यूनतम पूँजी के लिए बकाया कारोबार तथा अतिरिक्त पूँजी को निम्नलिखित रूप में कारणबद्ध किया जा सकता है :

(क) 3% की शर्त जिसे 1 दिसंबर, 1993 से लागू किया गया है।

(ख) 1 जून, 1994 से बढ़ाई गई शर्त 5% तक।

(ग) सम्पूर्ण 8% की शर्त जिसे 1 दिसंबर, 1994 से लागू किया गया है।

पूरे मानदंडों को लागू किए जाने पर किसी भी सदस्य का "सकल बकाया कारोबार" उसके आधारभूत एवं अतिरिक्त पूँजी आवश्यकताओं के 12.5 गुने से अधिक नहीं होगा।

बकाया कारोबार के आधारभूत एवं अतिरिक्त पूँजी में 10 गुना अधिक होने पर सदस्य का यह दायित्व होगा कि वह एक्सचेंज को सूचित करे।

यदि बकाया कारोबार आधारभूत एवं अतिरिक्त पूँजी से 12.5 गुना हो जाता है तो सदस्य अपने बकायों कारोबार तब तक नहीं बढ़ाएंगे जब तक कि उनके कारोबार में अतिरिक्त पूँजी न आ जाए और स्टॉक एक्सचेंज इस बात से संतुष्ट हो जाए कि सदस्य को आगे कारोबार की अनुमति दी जा सकती है।

उस अंतर्निर्गत अवधि के दौरान जिसमें 8% का मानदण्ड लागू नहीं किया गया है, संबंधित अनुपात लागू किया जाएगा।

## (ग) परिचालन :

किसी सदस्य की पूंजी का परिचालन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा :

— पूंजी+मुक्त आरक्षित पूंजी

—घटाएँ अनुश्रेय परिसंपत्तियाँ अर्थात्

(क) स्थायी परिसम्पत्तियाँ

(ख) बंधक प्रतिभूतियाँ

(ग) सदस्य का काड\*

(घ) अनुश्रेय प्रतिभूतियाँ

(ङ) असाध्य ङिलबरी

(छ) संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम\*

(ज) पूर्ववत् व्यय

(झ) अगोचर परिसम्पत्तियाँ

(ट) 30% बिक्री योग्य प्रतिभूतियाँ

\*व्याख्या :—इसमें ऐसे ऋण/अग्रिम शामिल हैं जो तीन माह से अधिक पुराने हैं या साक्ष्यार्थों को दिए गए हैं।

जो सदस्य सञ्चित लेखा बहियों का रख-रखाव नहीं करते या जो निर्धारित समय में लेखापरीक्षा लेखों की बहियों की प्रतियाँ प्रस्तुत नहीं करते तो उन्हें एक्सचेंज में अतिरिक्त नकद पूंजी जमा करने हेतु उत्तरदायी माना जाएगा। प्रत्येक सदस्य द्वारा प्रत्येक तिमाही में लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें सदस्य की फर्म में निवल नकद पूंजी का हवाला दिया जाएगा।

सीमान्त शर्तें

69 ख स्टाक एक्सचेंज द्वारा दैनिक, अग्रणीत और नवीनीकरण सीमांतों को उपयुक्त रूप से अशांक्षित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सदस्यों की कार्यकारी पूंजी अनुचित रूप से अवरुद्ध नहीं होती है। तथापि, स्टाक एक्सचेंज के पास यह प्राधिकार होगा कि वह बाजार की स्थिति के संदर्भ में अपने निर्णय के अनुसार उपयुक्त सीमाएं लागू करे।

अनुश्रवण की अपेक्षाएँ

69 ग सदस्य का यह वाचिस्व होगा कि वह कारोबार में लगी अतिरिक्त पूंजी के अनुपालन के संबंध में एक्सचेंज को सूचित करे। सदस्य बलाल का यह भी दायित्व होगा कि वह अपनी आधारभूत और अतिरिक्त पूंजी से 10 गुना सकल बकाया स्थिति पह पहचान पर स्टाक एक्सचेंज को सूचित करे।

पूंजीगत पर्याप्तता मानदण्ड के लागू होने की तिथि से प्रत्येक तिमाही (31 मार्च, 30 जून, 30 सितंबर और 31 दिसंबर को समाप्त) के लिए उन सदस्यों द्वारा, जो अपनी बहियों में अतिरिक्त पूंजी का रख-रखाव करते हैं, इस आशय का लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र एक्सचेंज को भेजना होगा कि कारोबार में पूंजीगत पर्याप्तता मानदण्डों के अनुसार अपेक्षित अतिरिक्त पूंजी का रख-रखाव किया गया है तथा सदस्य ने उपरोक्त सीमा पर पहुंचने के उपरान्त एक्सचेंज को सूचित करने संबंधी आवश्यकता का अनुपालन किया है। इस प्रकार का प्रमाण-पत्र तिमाही समाप्त होने के एक माह के भीतर प्रदान किया जाएगा।

दण्ड

69 घ पूंजी पर्याप्तता के मानदण्डों का अनुपालन करने में असफल होने पर अर्थदण्ड लगाया जाएगा और व्यापार क्रियाकलाप को निलंबित किया जाएगा। निर्धारित सीमा तक पहुंचने पर स्टाक एक्सचेंज को सूचित करने में असफल होना भी स्टाक एक्सचेंज के उप-नियमों के अंतर्गत दण्डनीय है।

पूंजीगत आवश्यकताओं से कारोबार की मुक्ति

69 च ऐसे लेन-देन जिनके अंतर्गत बलाल स्टाक एक्सचेंज/समाशोधन गृह/या किसी नोमोडिस्ट अमानतदार के पास 48 घंटे में सुपूर्दगी जमा करता है।

69 छ प्रबंध परिषद को अपने पूर्ण विवेक के अंतर्गत यह अधि-कार होगा कि वह संक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (स्टाक एक्सचेंज एंड सब-बोर्ड्स) रूल्स एंड रेग्युलेशन्स, 1992 के प्रावधानों के अंतर्गत अधिकारों का प्रयोग करते हुए सदस्यों द्वारा दिये आधारभूत न्यूनतम पूंजी को स्वयं अथवा सेबी के निदेश पर समय-समय पर बढ़ा सकता है।

निम्नलिखित नए उप नियम सं. 216 क को वर्तमान उप नियम सं. 216 के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :—

## 216 संविदागत टिप्पणियाँ

सदस्यों द्वारा गैर-सदस्यों को प्रस्तुत संविदागत टिप्पणियों में उल्लेख किया जाएगा कि यह संविदा एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों तथा आचारों के अधीन होगी और एक्सचेंज के नियमों, उप नियमों तथा विनियमों में की गई व्यवस्था के अनुसार विचाराधीन होगी तथा बंगलूर में न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के तहत होगी। संविदागत टिप्पणियों में ऐसी किसी प्रावधान का उल्लेख नहीं होगा जो एक्सचेंज के नियमों, उप नियमों और विनियमों के अनुरूप हो। सदस्य या सदस्यों के नाम या नामों, जो फर्म का साक्षीदार हों या हों अथवा इसके पूर्ण स्वामी हों, को संविदा टिप्पणियों में मुद्रित किया जाएगा। संविदागत टिप्पणियाँ भी इस रूप में होंगी जिसमें यह व्यवस्था होगी कि "बंगलूर स्टाक एक्सचेंज के सदस्य" शब्दों के तुरंत बाद हस्ताक्षर होंगे।

बलाली एवं संविदागत टिप्पणियाँ

216क सदस्य बलाल संविदा निष्पादन से 24 घंटे के भीतर ग्राहक को, प्रतिभूतियाँ खरीदने/बेचने की बाबत संविदागत टिप्पणी जारी करेगा।

निम्नलिखित नए उप नियम सं. 222 क एवं 222 ख को वर्तमान उप नियम सं. 222 (क) (ख) (ग) के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :

222क समस्त संविदाएं नियमों, उप नियमों और विनियमों के अंतर्गत हैं। प्रतिभूतियों की खरीद या बिक्री हेतु गैर-सदस्य के लिए अथवा उसके साथ सदस्य द्वारा की गई समस्त संविदाएं, जिनमें एक्सचेंज में कारोबार की अनुमति है, समस्त मामलों में एक्सचेंज के नियमों, उप नियमों, विनियमों और आचारों के अंतर्गत होंगी और जो ऐसी समस्त संविदाओं की शर्तों का भाग होंगी तथा वे प्रबंध परिषद् और अध्यक्ष के अधि-कारों के प्रयोग के अधीन होंगी जो इसमें अथवा उनमें एक्सचेंज के नियमों, उप नियमों और विनियमों द्वारा निहित हैं।

## 222ख बेंगलूर में संविदाओं का निष्पादन

उप खण्ड "क" में उल्लिखित समस्त संविदाओं के संबंध में समस्त दस्तावेजों और कागजातों की सुपुर्दगी तथा भुगतान बेंगलूर शहर में किया जाएगा और केवल उस स्थिति को छोड़कर जबकि व्यवस्था के अनुसार समाशोधन सदस्य बैंकों की माफ़त समाशोधन गृह से सुपुर्दगी ली गई हो और वी गई हो तथा भुगतान किया गया हो और प्राप्त हुआ हो तो समस्त संविदाओं के पक्ष में बेंगलूर शहर के कॉर्पोरेशन क्षेत्र के भीतर संबंधित सदस्य के कार्यालय में सुपुर्दगी लेने और देने तथा भुगतान करने और भुगतान प्राप्त करने हेतु बाध्य होंगे।

## 222ग बेंगलूर न्यायालय के क्षेत्राधिकार में संविदाएं

उप खण्ड (क) में उल्लिखित समस्त संविदाओं के कारण या के संबंध में उत्पन्न समस्त दावों (चाहे इन्हें स्वीकार्य किया गया हो अथवा नहीं) मतभेदों और विवादों के मामले में यह माना जाएगा कि संबंधित पक्षों ने मान लिया है और यह स्वीकार कर लिया है कि ये संविदाएं की गई हैं और इन्हें बेंगलूर शहर में निष्पादित किया जाएगा और कि इन उप नियमों एवं विनियमों में उल्लिखित सदस्यों से भिन्न विवाचन के संबंध में ये प्रावधानों के अनुसार विवाचनाधीन हैं, और कि ये बेंगलूर में न्यायालयों के क्षेत्राधिकार में आते हैं।

## ग्राहकों की धनराशि

222क समस्त सदस्य दलालों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे ग्राहकों की धनराशि का लेखा पृथक खाते में और अपनी धनराशि का लेखा अलग खाते में रखें। ग्राहकों के खातों से लेन-देन के लिए किसी प्रकार के भुगतान की अनुमति नहीं दी जाएगी जिसमें कि किसी सदस्य दलाल का प्रमुख स्थान हो। जिन सिद्धान्तों और परिस्थितियों के अंतर्गत ग्राहक के खाते से सदस्य दलाल के खाते में अंतरण की अनुमति होगी, वे इस प्रकार हैं :

(क) सदस्य दलाल द्वारा खाते का रख-रखाव—प्रत्येक सदस्य दलाल ऐसे बही खातों का रख-रखाव करेगा जो सदस्य के रूप में उसके कारोबार के संबंध में दर्शाने और अंतर की दृष्टि से आवश्यक होंगी—

(1) प्रत्येक ग्राहक अथवा उसके कारण प्राप्त धनराशि और प्रत्येक ग्राहक अथवा उसके खाते में प्रदत्त धनराशि।

(2) सदस्य के निजी खाते में प्राप्त और प्रदत्त धनराशियां।

(ख) "ग्राहकों के खाते में" धनराशियां का भुगतान करने की अनिवार्यता—किसी ग्राहक की धनराशि रखने वाला प्राप्त करने वाला प्रत्येक सदस्य दलाल ऐसी धनराशि की अदायगी बैंक के चालू अथवा जमा खाते में तत्काल करेगा जिसे सदस्य के नाम में रखा जाएगा और जिनके नाम के साथ "ग्राहक" शब्द लगाया जाएगा (जिसे इसके बाद "ग्राहक खाता" के नाम से संदर्भित किया जाएगा) सदस्य दलाल समस्त ग्राहकों के लिए एक भर्मांकित ग्राहक खाता रख सकता है या वह प्रत्येक ग्राहक के नाम खाता रख सकता है जैसा वह उचित समझे, बशर्ते कि जब कोई सदस्य दलाल सदस्य को दिये आंशिक धनराशि के रूप में कोई चेक या ड्राफ्ट प्रस्तुत करता है तो वह ऐसे पूरे बैंक या ड्राफ्ट की

अदायगी ग्राहक के खाते में करेगा और बांध में इसे अनुच्छेद घ (2) में निर्धारित अनुसार अंतरित करेगा।

(ग) "ग्राहकों के खाते" में कौन सी धनराशियां अदा की जाएंगी—निम्नलिखित से भिन्न कोई भी धनराशि ग्राहकों के खाते में जमा नहीं की जाएगी—

(1) ग्राहकों के खाते में रखी या प्राप्त धनराशि;

(2) सदस्य से संबंधित ऐसी धनराशि जो खाता खोलने या उसे बरकरार रखने के उद्देश्य से आवश्यक हो सकती है;

(3) ऐसी किसी रकम के प्रतिस्थापन हेतु धनराशि जिसे निम्नलिखित अनुच्छेद घ के प्रतिकूल खाते से भूलवश या अनजाने में आहरित किया गया हो;

(4) ऐसा चेक या ड्राफ्ट जिसे सदस्य द्वारा ग्राहक से संबंधित आंशिक धनराशि के रूप में प्राप्त किया गया हो, और जो आंशिक रूप से सदस्य की वये धनराशि हो,

(घ) "ग्राहकों के खाते" से कौन सी धनराशि आहरित की जाएगी—निम्नलिखित से भिन्न ग्राहकों के खाते से कोई धनराशि आहरित नहीं की जाएगी :—

(1) ऐसी धनराशि जो ग्राहकों को या उनकी ओर से भुगतान के लिए समुचित रूप से आवश्यक हो या जो ग्राहकों की ओर से सदस्य को वये ऋण के भुगतान हेतु या बाबत हो या ऐसी धनराशि जिसे ग्राहक के प्राधिकार पर आहरित किया गया हो अथवा यह धनराशि जिसके संबंध में सदस्य के प्रति ग्राहकों की देयता हो, बशर्ते कि इस प्रकार आहरित धनराशि किसी भी स्थिति में उस कुल धनराशि से अधिक नहीं होगी जिसे ऐसे प्रत्येक ग्राहक के लिए अस्थायी रूप से रखा गया हो।

(2) सदस्य से संबंधित ऐसी धनराशि जिसे उपरोक्त ग्राहक खाता अनुच्छेद 1 ग(2) या 1 ग(4) में अदा किया गया हो।

(3) ऐसी धनराशि जिसे उपरोक्त पैरा ग के प्रतिकूल भूलवश या अनजाने में ऐसे खाते में अदा किया गया हो।

(च) पुनर्ग्रहणाधिकार, क्षतिपूर्ति आदि का अधिकार जो अप्रभावित है—इस अनुच्छेद 1 की कोई भी ऐसी बात किसी सदस्य दलाल को ग्राहकों के खाते में जमा धनराशियों पर किसी सहारे या अधिकार से वंचित नहीं करेगी, चाहे वह पुनर्ग्रहणाधिकार द्वारा हो या क्षतिपूर्ति, प्रतिदावा प्रभार अथवा अन्यथा प्रकार से हो।

## ग्राहकों की प्रतिभूतियां

222ख समस्त सदस्य दलालों के लिए यह अनिवार्य होगा कि ग्राहक की प्रतिभूतियों के पृथक लेखें रखे जाएं तथा यथावश्यक ऐसी लेखा बहियां रखने के लिए ऐसी प्रतिभूतियों की निजी प्रति-

भूतियों से पृथक् रखा जाए। ग्राहक की प्रतिभूतियों के लिए ऐसे लेखों में साथ-साथ निम्नलिखित व्यवस्था होगी :—

- (क) बिक्री के लिए प्राप्त प्रतिभूतियाँ या जिन्हें बाजार में सुपुर्द किया जाना है,
- (ख) ऐसी प्रतिभूतियाँ जिनकी पूर्ण अदायगी की गई है परन्तु ग्राहकों को जिनकी सुपुर्दगी की जानी है,
- (ग) ऐसी प्रतिभूतियाँ जिन्हें सदस्य द्वारा अंतरण हेतु प्राप्त किया गया है या सदस्य द्वारा ग्राहक या उसके नामित/नामितियों के नाम में अंतरण हेतु भेजा गया है,
- (घ) ऐसी प्रतिभूतियाँ जिनकी पूर्ण अदायगी की गई है और जिन्हें प्रतिभूति/मार्जिन आदि के रूप में सदस्य द्वारा अभिरक्षा में रखा गया है। सदस्य द्वारा इसके लिए ग्राहक से समुचित प्राधिकार प्राप्त किया जाएगा,
- (च) पूर्णरूप से अदा की गई ग्राहकों की प्रतिभूतियाँ जिन्हें सदस्य के नाम में, यदि कोई हो, मार्जिन आदि की आवश्यकताओं की बाबत पंजीकृत किया गया हो,
- (छ) व्याज—बचला पर प्रदत्त प्रतिभूतियाँ। सदस्य इसके लिए ग्राहकों से प्राधिकार प्राप्त करेंगे।

निम्नलिखित नए उप नियमों अर्थात् 227(क) (ख) और 227 (क) (ख) को वर्तमान उप नियम सं. 227 के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :

#### 227 मार्जिन (अतिरिक्त राशि)

सदस्य को अपने ग्राहक से अतिरिक्त राशि जमा माँगने का अधिकार होगा जिसे उसे अपने ग्राहक की दावत किए गए कारोबार के संबंध में इन उप नियमों और नियमों के अंतर्गत देना है। सदस्य को यह भी अधिकार होगा कि वह आवेश देने से पहले अपने ग्राहक से नकद और/या प्रतिभूतियों के रूप में प्रारंभिक अतिरिक्त राशि की मांग करे और/या यह शर्त लगाए कि ग्राहक द्वारा अतिरिक्त राशि जमा की जाएगी या वह बाजार मूल्यों में परिवर्तनों के अनुसार अतिरिक्त राशि जमा करे। ग्राहक समय-समय पर ऐसा करने के लिए कहे जाने पर तत्काल अतिरिक्त राशि जमा करेगा और/या संबंधित सदस्य द्वारा उसके लिए किए गए कारोबार और/या उसके द्वारा व्यक्त सहमति के संबंध में इन उप नियमों और विनियमों के अंतर्गत अपेक्षित अतिरिक्त धनराशि प्रदान करेगा।

227क(क) जब तक दलाल के पास ग्राहक की समान जमा धनराशि न हो तो ऐसी बरा में सदस्य दलाल खरीदी जाने वाली प्रस्तावित प्रतिभूतियों के मूल्य पर न्यूनतम 20% की अतिरिक्त राशि पाने पर ही ग्राहक की ओर से प्रतिभूतियाँ खरीदेंगे। सदस्य यदि न चाहें तो वित्तीय संस्थाओं, म्यूचुअल फण्डों और एफआईआई से अतिरिक्त राशियाँ एकत्र नहीं भी कर सकता है।

227क(ख) जब तक बची जाने वाली प्रतिभूतियाँ और ऐसी बिक्री से पूर्व उसकी संतुष्टि के मूलाधिक मान्य अंतरण दस्तावेज सदस्य को प्राप्त नहीं हो जाते, सदस्य दलाल बिक्री के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियों के मूल्य पर न्यूनतम 20 प्रतिशत अतिरिक्त राशि प्राप्त होने पर ही ग्राहक की ओर से प्रतिभूतियाँ बेच सकते हैं। सदस्य यदि न चाहें तो वित्तीय संस्थाओं, म्यूचुअल फण्डों और एफआईआई से अतिरिक्त राशियाँ एकत्र नहीं भी कर सकता है।

निम्नलिखित नए उप नियम सं. 230 (ग) को वर्तमान उप नियम सं. 230(क) और 230(ख) के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :—

#### 230 (क) ग्राहक की सुपुर्दगी

ग्राहक की ओर से प्रतिभूतियाँ खरीदने या उसकी प्रतिभूतियों बेचने, चाहे वह बंगलूर शहर में रह रहा हो या बाहर, बल्ले सदस्य के संबंध में जिस तारीख को वह क्रेता ग्राहक को सीधे या उसके बैंकर अथवा बंगलूर में अभिकर्ता को ऐसे दस्तावेज सुपुर्द करता है, या बैंक के जरिए क्रेता ग्राहक से बिल आहीरित करता है या इस आशय की सूचना डाक द्वारा भेजता है कि सुपुर्दगी के लिए दस्तावेज तैयार है, तो यह माना जाएगा कि क्रेता ग्राहक को सुपुर्दगी की तारीख वही है।

#### 230(ख) अनिवासी ग्राहक को सुपुर्दगी

यदि ग्राहक बंगलूर शहर में न रह रहा हो और सदस्य से दस्तावेजों की सुपुर्दगी बंगलूर शहर से बाहर करने का अनुरोध करता है और सदस्य ग्राहक के अनुरोध का पालन करता है तो सदस्य द्वारा दस्तावेज स्वयं अपने या ग्राहक के बैंकर अथवा अभिकर्ता को बंगलूर शहर में सौंपे जाते ही सुपुर्दगी मान ली जाएगी। ऐसे बैंकर या अभिकर्ता द्वारा ग्राहक के पक्ष में दस्तावेज प्राप्त किया जाना मान लिया जाएगा। सद्विवाओं को सदस्य द्वारा बंधे तिथि पर निष्पादित मान लिया जाएगा। यदि सदस्य ने बंधे तिथि के भीतर बैंकर या अभिकर्ता के द्वारा संधिदा के लिए या आदेशित दस्तावेजों की सुपुर्दगी बंगलूर शहर में कर दी है अथवा उन्हें बंगलूर शहर में ग्राहक के नाम डाक द्वारा भेज दिया है अथवा डाक द्वारा ग्राहक को सूचित कर दिया है कि दस्तावेज सुपुर्दगी के लिए तैयार है।

#### ग्राहक को सुपुर्दगी/भुगतान

230(ग) दलाल सदस्य के अपने ग्राहक को भुगतान या खरीद प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी अदायगी के दो कार्य दिवसों के भीतर करने होंगे। जब तक ग्राहक ने अन्यथा अनुरोध न किया हो। स्टॉक एक्सचेंज भुगतान के तत्काल बाद प्रकानार्थ विज्ञापित जारी करेगा।

निम्नलिखित नए उप नियम सं. 237 क को वर्तमान उप नियम सं. 231 के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :

#### 231 बंकी गई प्रतिभूतियों की ग्राहक द्वारा सुपुर्दगी

एक ग्राहक चाहे वह बंगलूर शहर में या शहर से बाहर रहता हो, उसे वह प्रतिभूति जिसे सदस्य ने उसके लिए विक्रय या क्रय की हो, सदस्य की बंधे तिथि के भीतर सुपुर्द करनी होगी। सुपुर्द किए दस्तावेज वैध, नियमित और सही रूप में होने चाहिए। साथ ही वह प्रतिभूति जिसे ग्राहक को लिए बेचा गया हो और जो सुपुर्दगी के लिए देय हो, उसकी सुपुर्दगी बंगलूर स्थित सदस्य के कार्यालय में समय पर करनी होगी जिससे सदस्य ऐसी सुपुर्दगी से संबंधित उप नियमों के उपबंधों और विनियमों का पालन समय में करने में सक्षम हो सके।

231क ग्राहक की ओर से विक्रय के ऐसे मामले में सदस्य दलाल को खरीद को प्रभावित करते हुए अनुरोध समाप्त करने की स्वतंत्रता होगी जिसमें ग्राहक संबिदा पत्र की सुपुर्दगी का 48 घंटों के अंदर या बंधे दिवस के पहले जो भी पहले हो, प्रतिभूतियों को वैध स्थानांतरण दस्तावेज के साथ सुपुर्द करने में असमर्थ रहता है। जैसा कि स्टॉक एक्सचेंज प्राधिकार द्वारा निर्धारित किया गया हो। विनियम में यदि कोई शक्ति हुई हो तो यह उस ग्राहक को सीमांत राशि से छुटा ली जाएगी।

निम्नलिखित उप नियम की 232 (क) वर्तमान उप नियम 232 के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :

### 232 ग्राहक द्वारा भुगतान किया जाना

ग्राहक को चाहे वह बेंगलूर शहर के भीतर या बाहर रहता हो, उसके अपने बेंगलूर स्थित कार्यालय में दैनिक स्थिति एक उस धनराशि की जाँच करनी होगी जिसके लिए ग्राहक भुगतान के लिए बाध्य है और जब एक सदस्य ऐसी धनराशि ग्राहक की ओर से भुगतान के लिए उत्तरदायी हो तो सदस्य के बेंगलूर स्थित कार्यालयों की सीमा के भीतर स्थित कार्यालयों में भुगतान अवसरों के साथ उस दिन से एक कार्य दिवस से पहले कक्षा क्रमांकित सदस्य के द्वारा उप नियमों के ऐसे भुगतान से संबंधित उपबंधों और विनियमों के अनुपालन के तहत भुगतान हेतु भुगतान करने के लिए अपेक्षित है।

232क ग्राहक की ओर से शरीर की स्थिति में सदस्य बलाल लेन-देन की प्रतिभूतियों को बेचकर बंध करने के लिए स्वतंत्र होंगे। यदि ग्राहक संविदा के निष्पादन के लिए सदस्य दलाल को संविदा-पत्र की सुपूर्तगी के पश्चात नकद शोध के लिए दो दिन के भीतर अथवा जमा तिथि के पहले, जो भी पहले हो, पूरा भुगतान करने में असमर्थ रहता है (जैसा कि स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संबंधित भुगतान अवधि के लिए निर्धारित किया गया हो) जब तक कि ग्राहक की स्मरपरमाणु जमा-बाकी सदस्य के पास पहले से ही रही न हो। इस संबंध में हुई हानि की पूर्ति यदि कुछ हो, उस ग्राहक की सीमांत धनराशि से की जाएगी।

निम्नलिखित उप खण्डों अर्थात् 353(4) और 353 (15) के वर्तमान खण्ड 353 (13) के बाद शामिल किया जाता है जो इस प्रकार है :

### 353 (13) बलाती

अगर वह जान-बूझकर उन उप नियमों और विनियमों का उल्लंघन या अवहेलना करता है या करने की कोशिश करता है जो इन उप नियमों और विनियमों में निर्धारित हैं।

### प्रतिबंध और दण्ड

353 (14) यदि वह पूर्ण पत्रावृत्ति के मानदण्डों का अनुपालन करने में असफल रहता है।

353 (15) यदि वह अपनी आधारभूत और अतिरिक्त पूँजी को खस-गुन सकल को निर्धारित सीमा तक पहुंचाने पर स्टॉक एक्सचेंज को सूचित करने में असफल रहता है।

बेंगलूर स्टॉक एक्सचेंज के उप नियम में संशोधन और दिनांक 24-05-1994 के भारतीय संवैधानिक एंड एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम के तहत इस संबंध में पत्र संख्या एसएमडी-1 3145/94

निम्नलिखित नए उप नियमों अर्थात् 356 क, 356 ग और 356 ग के वर्तमान उप नियम 356 (क) 356 (ख) और 356 (ग) के बाद शामिल किया जाता है, जो इस प्रकार हैं :

356 (क) प्रबंध परिषद प्रस्ताव द्वारा सदस्य को अपना पूरा कारोबार या उसका हिस्सा स्थिति करने के लिए अवकाश दे सकती है।

### स्विकृत कारोबार

- (1) जब प्रबंध परिषद के विचार से वह अपना कारोबार एक्सचेंज के हिस्से से हानिकारक ढंग से बाजार के संतुलन को बिगाड़ने के उद्देश्य से प्रतिभूति क्रय या विक्रय करता है या करने का प्रस्ताव करता है अथवा भुष्टीकरण की स्थिति पैदा करता है जिससे मूल्य उचित रूप से बाजार भाव को न दर्शा सकें, अथवा

### अनुचित कारोबार

- (2) जब प्रबंध परिषद के विचार से वह अनुचित कारोबार करना है अथवा अपने ग्राहक के एकाउंट के या किसी अन्य एकाउंट के लिए क्रय या विक्रय को प्रभावित करता है जिसमें वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संग्रह हो और ये विक्रय क्रय उसके ग्राहक या उसके अपने साधन और वित्तीय बाध की दृष्टि से अथवा ऐसी प्रतिभूति के बाजार की दृष्टि से अत्यधिक हों।

### असंतोषजनक वित्तीय स्थिति

- (3) जब प्रबंध परिषद के विचार से वह ऐसी वित्तीय स्थिति में हो जिसमें उसे उसके लेनदारों अथवा एक्सचेंज की सुरक्षा के साथ कारोबार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

### निलंबन की वांछनी

356(ख) कारोबार का निलंबन उप खण्ड (क) के अंतर्गत चालू रहेगा, जब तक कि प्रबंध परिषद प्रस्ताव में निर्धारित समय के भीतर ऐसीधरांहर जमा करने या ऐसा कार्य करने अथवा ऐसी वस्तु उपलब्ध कराने पर जिसका प्रस्ताव में आदेश दिया गया हो, सदस्य को प्रबंध परिषद द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई हो।

### उल्लंघन के लिए दण्ड

356 (ग) वह सदस्य जिसे अपना कारोबार स्थगित करने से अस्वीकार हो। यदि वह व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है तो उसे प्रबंध परिषद द्वारा निष्कासित किया जाएगा।

### अनुशासनिक समिति के कार्य और कार्य क्षेत्र

356क उपलब्ध सूचना के आधार पर या प्राप्त शिकायत के आधार पर, उप नियम 356 (ख) में उल्लिखित बातों के विषय में यदि प्रबंध परिषद के विचार में किसी सदस्य या किसी प्रतिनिधि अधिकृत/सहायक/कर्मचारी किसी सदस्य का उपदलाल के विरुद्ध जांच बैठाना अपेक्षित हो, तो परिषद मामले को अनुशासनिक समिति को सौंपेगी और तदुपरान्त अनुशासनिक समिति जांच करेगी और अगर आरोपित व्यक्ति दोषी पाया जाए तो उस पर दण्ड अथवा दण्ड/जुर्माना जैसा कि उचित हो, लगाएगी अन्यथा यदि अनुशासनिक समिति का विचार हो कि आरोपित व्यक्ति को स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य होने के नाते उस सदस्यता से निकाला जाना चाहिए तो अनुशासनिक समिति अपनी जांच का निष्कर्ष प्रबंध परिषद को अपनी संस्तुति के साथ देगी।

356ख प्रबंध परिषद और/अथवा अनुशासनिक समिति को उप नियम 356 (ग) में निर्धारित प्रक्रिया को पालन करने हेतु निम्नलिखित अधिकार प्रयोग में लाएगी :

- (1) चुनाव को निरस्त करना और सदस्य को निष्कासित करना, जैसा अनुच्छेद (ज) में दिया है।
- (2) सदस्य को सदस्यता से निष्कासित करना जैसा अनुच्छेद 10(ग) में दिया गया है।
- (3) प्राधिकृत सहायक के अनुमोदन के समान करना जैसा अनुच्छेद 37 में दिया गया है।
- (4) घोषित करना कि सदस्य उसी प्रकार कार्य करता नहीं रह सकता, जैसा कि अनुच्छेद 76 (क) में दिया गया है।
- (5) किसी सदस्य को उसकी सदस्यता से निष्कासित करना जैसा कि अनुच्छेद 72 में दिया गया है।
- (6) सदस्य को निलंबित करना, निष्कासित करना अथवा दूसरे निबन्धन लगाना जैसा कि अनुच्छेद 79 (ब) में दिया है।
- (7) सदस्य को निष्कासित करना अथवा निलंबित करना और/या जुर्माना करना और/या नंदा करना और/या सदस्यता अधिकारों में से किसी को वापस लेना जैसा कि अनुच्छेद 80 में दिया गया है।
- (8) सदस्य या उसके प्रतिनिधि, अभिकर्ता, प्राधिकृत सहायक या कर्मचारी को निष्कासित करना, निलंबित करना और/या जुर्माना करना और/या नंदा करना और/या नेतावनी देना जैसा कि अनुच्छेद 92 में दिया गया है।
- (9) सदस्य पर कोई दण्ड लगाना जैसा कि अनुच्छेद 83 में दिया गया है।
- (10) सदस्य पर संशोधित दण्डों में से कोई भी दण्ड लगाना जैसा कि अनुच्छेद 86 (क) में दिया गया है।
- (11) स्टॉक एक्सचेंज के किसी सदस्य, प्राधिकृत अभिकर्ता, बलाल, कर्मचारी, अभिकर्ता या प्रतिनिधि पर कोई और दण्ड लगाना जैसा कि संस्था के उप नियमों/अनुच्छेदों में दिया गया है।
- (3) यदि व्यक्ति जिस पर आरोपों को तामील किया गया है, सभी आरोपों में या कुछ से इंकार करता है तो अनुशासनिक समिति ऐसे मामले की जांच करेगी।
- (4) परिषद अथवा परिषद् द्वारा प्राधिकृत अध्यक्ष एक प्रस्तुतकर्ता अधिकारी को आरोपित व्यक्ति के विरुद्ध आरोपों के समर्थन में अनुशासनिक समिति के सामने मामला प्रस्तुत करने हेतु मना-नीत करेगा।
- (5) अनुशासनिक समिति ऐसे दिन या समय जो अध्यक्ष द्वारा निश्चित किया गया हो, उसे सौंपे गए मामले के लिए बैठ सकती है और सुनवाई कर सकती है। अध्यक्ष जहाँ तक संभव हो तारीख तथा समय निर्धारित करते-समय अनुशासनिक समिति को सौंपे गए मामलों के त्वरित निपटान और सभी पक्षों की सुविधा का ध्यान रखेगा।
- (6) यदि कोई पक्ष अनुशासनिक समिति के समक्ष उपस्थित होने या जांच में सहयोग करने में असफल रहता है तो अनुशासनिक समिति का एकमात्र जांच पर आगे बढ़ने और उसके समक्ष उपस्थित गवाहों के आधार पर परिषद् को प्रतिवेदन देने का हक होगा।
- (7) कोई भी पक्ष अनुशासनिक समिति के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर या लिखित रूप से प्राधिकृत व्यक्ति जो बैंगलूर स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य हो, को जांच में अपने प्रतिनिधित्व हेतु भेजकर अनुशासनिक समिति के सम्मुख अपना बचाव कर सकता है। उसे खुद का प्रतिनिधित्व एक अधिवक्ता द्वारा कराने का अधिकार नहीं होगा।
- (8) अनुशासनिक समिति जांच करते समय सहज न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए अपनी प्रक्रिया को विनियमित करेगी।
- (9) अनुशासनिक समिति प्रस्तुतकर्ता अधिकारी और व्यक्ति या उसको प्राधिकृत प्रतिनिधि को सुनवाई करेगी, प्रस्तुतकर्ता अधिकारी और बचाव की ओर से उद्धृत गवाहों और ऐसे अन्य गवाहों, वस्त्र-बोधों और अभिलेखों, जिन्हें इसके समक्ष उठाने की विषयों पर निर्णय लेने के लिए आवश्यक समझा गया हो, को तामील करेगी और उनकी परीक्षा तथा अभिलेख में दर्ज सारी सामग्री पर विचार करेगी और मामले के सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद लगाए गए आरोपों की सत्यता या असत्यता पर अपने निष्कर्ष और दोषी व्यक्तियों पर लगाए गए दण्ड पर लिखित रूप से आदेश पारित करेगी। बशर्ते कि स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य के मामले में यदि दण्ड का या सदस्यता से निष्कासित करने का प्रस्ताव है तो अनुशासनिक समिति अपनी रिपोर्ट परिषद को आरोपों की सत्यता या असत्यता पर अपने निष्कर्ष एवं लगाए गए दण्ड की संस्थिति के साथ प्रस्तुत करेगी। अनुशासनिक समिति के सदस्यों के बीच अग्रहभक्ति को दशा में विद्यमान सदस्य यदि कोई हों, अपनी अग्रहभक्ति रिपोर्टें अपने

356 ग

- (1) परिषद के सदस्य, प्राधिकृत सहायक, कर्मचारी, निवेशक, प्रतिनिधि, कर्मचारी या दूसरे व्यक्ति, जैसा मामला हो, के विरुद्ध लगाए जाने वाले आरोप तैयार करवाना और इस प्रकार आरोपित व्यक्ति को आरोप के साथ आरोपों के समर्थन में आरोप का विवरण दस्तावेजों और प्रस्तावित गवाहों जिन पर आरोप आश्रित हो तामील करवाएंगे।
- (2) वह व्यक्ति जिस पर आरोप यदि को जैसा उपखंड (1) में उल्लिखित है, तामील किया गया है अपना जवाब लिखित रूप से परिषद द्वारा निर्धारित समयवधि के अंदर दे सकता है। यदि वह अपने आरोपों से या कुछ आरोपों से इंकार करता है तो उसे उन दस्तावेजों और गवाहों की सूची जिसे पर उसका बचाव आधारित हो, प्रस्तुत करने होंगे।

निष्कर्ष के साथ प्रस्तुत कर सकता है/सकते हैं।  
आदेश रिपोर्ट की एक प्रति, जैसा मामला हो, सभी  
निर्दिष्ट व्यक्तियों को भेजी होगी।

- (10) अनुशासनिक समिति को इसकी सुपुर्गों के बाद  
लागू माना जाएगा। यदि अनुशासनिक समिति  
किसी सदस्य के निष्कासन की संतुष्टि वाली रिपोर्ट  
देती है तो परिषद् अनुशासनिक समिति द्वारा  
निर्दिष्ट सदस्यों को सूचित करेगी और अनुशास-  
निक समिति की रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई करने  
से पहले अथवा कोई निर्णय लेने से पहले उन्हें  
युक्तिसंगत व्यक्तिगत अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि  
के जरिए सुनवाई का मौका देगी और या तो अनु-  
शासनिक समिति की संस्तुति का स्वीकार करते  
हुए या सदस्य को निष्कासित अथवा सदस्य पर  
हल्का दण्ड लगाने का आदेश पारित करेगी।  
परिषद् का निर्णय चाहें वह सर्वसम्मति से अथवा  
साधारण बहुमत से लिया गया हो, लिखित रूप  
में होगा और संबंधित सदस्य को सूचित किया  
जाएगा।

- (11) जब परिषद् अनुशासनिक समिति की रिपोर्ट पर  
विचार कर रही हो, अगर निम्नलिखित लोगों में से  
कोई परिषद् के सदस्य है :—

- (1) अनुशासनिक समिति का कोई सदस्य,
- (2) कोई व्यक्ति जो एक पक्ष या जांच का गवाह  
हो,
- (3) कोई व्यक्ति जिसने शिकायत की हो या  
जांच की ओर मार्गदर्शित करने वाली सूचना  
दी हो, तो उस समय जब परिषद् अनुशासनिक  
समिति की रिपोर्ट पर विचार कर रही हो,  
वै उपस्थित नहीं रहेंगे।

- (12) अनुशासनिक समिति/प्रबंध परिषद् जैसी भी मामला  
हो, का आदेश अंतिम और बाध्यकारी होगा और  
किसी न्यायालय अथवा किसी अधिकारी के सम्मुख  
किसी भी आधार पर आपत्ति के लिए बुला नहीं  
होगा।

दिनांक 16-7-1994 का प्रबंध परिषद् द्वारा बंगलूर स्टॉक  
एक्सचेंज लिमिटेड के उप नियमों में संशोधन और दिनांक  
31-10-1994 के संघी द्वारा अनुमोदन, देखें इस संबंध में  
पत्र संख्या एसएमडी/665/94

निम्नलिखित खण्ड वर्तमान उप नियम में 353 (2) के  
बाद शामिल किया जाना है जो इस प्रकार है :—

#### विज्ञापन

353(11) यदि वह कार्रवाई के उद्देश्य से विज्ञापन देता  
है अथवा नियमित परिपत्र या अन्य व्यापारिक सूचनाएं ऐसे  
व्यक्तियों को भेजता है जो उसके अपने ग्राहकों एक्सचेंज के  
बैंक और ज्वाइंट स्टॉक कंपनी के सदस्यों के अलावा हो, अथवा  
बहु पैम्पलेट, परिपत्र या कोई दूसरा साहित्य या स्टॉक बाजार  
से संबंधित सूचना की रिपोर्ट उन पत्रिक प्रिंट में प्रकाशित करता  
हो जिसमें उसका नाम जुड़ा हो।

सदस्य दलाल के विज्ञापन को निम्नलिखित मार्गदर्शी सिद्धांतों  
का अनुपालन करना होगा :

353 (11) 1 विज्ञापन प्रपत्र, विवरणिकाएं आदि को  
विषय वस्तु मात्र उस स्वरूप से संबंधित होने चाहिए जिसे  
स्टॉक दलाल शेयर और प्रतिभूति के क्रय एवं विक्रय के संबंध  
में दे सकता है। किसी विशेष शेयर या प्रतिभूति के बारे में  
गमतीयां एवं/अथवा किसी कंपनी के बारे में कोई संस्तुति  
विज्ञापन में नहीं होने चाहिए।

353 (11) 2 किसी सदस्य दलाल द्वारा व्यक्तिगत रूप से  
अथवा दूसरे सदस्य दलालों के माध्यम से सामूहिक रूप से  
विज्ञापन प्रकाशित किया जा सकता है जिससे छोटें दलाल अपने  
साधनों को प्रचार हेतु एकीकृत कर सकें।

353 (11) 3 विज्ञापन में स्टॉक एक्सचेंज में सदस्यता के  
लिए वर्ज नाम का उल्लेख भारतीय सेक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज  
बोर्ड द्वारा आवंटित कूट संख्या के साथ होना चाहिए। दलाल  
के साथ संबंधित उप दलालों के नाम भी इनमें सम्मिलित किए  
जा सकते हैं। साथ ही दलाल को प्राधिकृत व्यक्ति को प्राधि-  
कृत एवं मनोनीत करके उसका नाम प्रकाशन में देना चाहिए  
जिससे विज्ञापन में दी गई सूचना की यथा तथ्यता की सुनिश्चित  
किया जा सके और ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति के विषय में स्टॉक  
एक्सचेंज द्वारा पूर्व अनुमति प्राप्त कर लेनी चाहिए। प्राधिकृत  
व्यक्ति विशेष तौर पर उस समय उत्तरदायी होगा जब वो या  
अधिक दलाल सामूहिक रूप से दलाली के कारोबार का प्रचार कर  
रहे हों।

353 (11) 4

(क) सदस्यों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि  
विज्ञापन में दी गई सूचना सही एवं यथार्थ और  
वस्तुगत दृष्टि से ऐसी निश्चय विषय वस्तु हो  
जिसमें प्रमाणीकरण की क्षमता हो।

(ख) इसमें स्टॉक एक्सचेंज के अन्य सदस्यों और साथ  
ही स्टॉक एक्सचेंज की प्रतिष्ठा के बारे में प्रत्यक्ष  
या परोक्ष रूप से कोई प्रतिकूल उल्लेख नहीं होना  
चाहिए।

(ग) विज्ञापन में ऐसी कोई भी वस्तु नहीं होनी चाहिए  
जो सर्वसाधारण के लिए किसी भी दृष्टि से सम्बद्ध  
अभिनियम के अंतर्गत वर्जित हो, नाहक हो,  
भ्रामक सूचना हो अथवा कोई बाधा हो इसमें  
लिखित शब्द होंगे और कोई दूसरे दृश्य जैसे  
छायाचित्र अथवा रेखाचित्र द्वारा समर्थित नहीं  
होंगे।

353 (11) 5 स्वयं सदस्य के अतिरिक्त किसी पक्ष प्रचार  
विज्ञापन में सम्मिलित नहीं होना चाहिए और इसके किसी  
व्यक्ति, किसी फर्म अथवा संस्थान का उल्लेख नहीं होना चाहिए  
सिवाय उसके जो (2) और/ (3) में दिया गया है।

353 (11) 6 सदस्य दलाल को अपना या अपनी फर्म का नाम  
दूसरों के द्वारा विज्ञापित होने के लिए अनुमति नहीं देनी  
चाहिए अथवा अपना तथा अपनी फर्म का नाम दूसरों के विज्ञापन  
में प्रकाशित करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए सिवाय उसके  
जो मार्गदर्शी सिद्धांत (2) और (3) में दिया गया है।



353 (2) 7 सदस्य दलालों को विज्ञापन की एक प्रति स्टाक एक्स्चेंज प्राधिकारी एवं इंडियन सेक्यूरिटीज एंड एक्स्चेंज बोर्ड को देनी चाहिए। एक्स्चेंज के प्राधिकारी को इनके विषय में रोकने और स्थगित करने के अधिकार होंगे।

353 (2) 8 यदि सदस्य दलाल उपरोक्त मार्गदर्शी संधियों में से किसी का विज्ञापन हेतु उल्लंघन करता है तो वह उसके लिए स्टाक एक्स्चेंज प्राधिकारी और/या सेबी द्वारा दण्ड का भागी होगा।

353 (2) 9 यदि स्टाक एक्स्चेंज प्राधिकारी किसी जुमाने की उम्मीद अथवा सदस्य दलालों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करते हैं। उदाहरणार्थ निलंबन द्वारा या उसे बकायादार घोषित करके इत्यादि तो इसे स्टाक एक्स्चेंज द्वारा तत्काल सर्व-विदित कर देना चाहिए और संबंधित सदस्य दलाल को बकायादार घोषित होने के बाद प्रचार बंद नहीं करना चाहिए।

#### NOTICE

NO LEGAL RESPONSIBILITY IS ACCEPTED FOR THE PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES IN THIS PART OF THE GAZETTE OF INDIA. PERSONS NOTIFYING THE ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES WILL REMAIN SOLELY RESPONSIBLE FOR THE LEGAL CONSEQUENCES AND ALSO FOR ANY OTHER MISREPRESENTATION ETC.

BY ORDER  
Controller of Publication

#### CHANGE OF NAMES

I, hitherto known as Mr. S. CHINPAU S/o Mr. S. CHINPAU NGAIHTE, employed as Assistant in the Embassy of India, Vientiane, residing at Rue Thatluang, Vientiane, Lao PDR, have changed my name and shall hereafter be known as Mr. S. CHINPAU NGAIHTE.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

S. CHINPAU  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as Sri ARBIND KUMAR S/o BRAHMANNAND CHOWDHURY, employed as Constable in the R.P.F. Post C & W. Kanchrapara/E. Rly., residing at the Village Kuchihan, P.O. Kangaon, Distt. Ara, Bihar, have changed my name and shall hereafter be known as Sri ARBIND CHOWDHURY.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

ARBIND KUMAR  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as Shri BAG BALI PRASAD GORERI S/o Late GOPI PRASAD GARERI, employed as Operator in Metal and Steel factory Ichapore, P.O. Ichapore, Nawabganj, Distt. 24 Paraganas (N), residing at the Park quarters No. 73, P.O. Ichapore, Nawabganj Distt. 24 Paraganas (N), have changed my name and shall hereafter be known as RAM SUMER GORERI.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

BAG BALI PRASAD GORERI  
[Signature (in existing old name)]

353 (2) 10 जैसे ही सदस्य दलाल अपना कार्ड बेंचता है या सक्रिय स्टाक दलाल होने समाप्त करता है, अथवा दलालो फर्म को स्वामित्व में परिवर्तन होता है, कार्ड के खरोदार या नई फर्म को इसकी सूचना तत्काल सबसेसाधारण को करनी चाहिए।

जैसे ही कारोबार के विज्ञापन के प्रकाशन को अनुमति दी जाती है, स्टाक एक्स्चेंज प्राधिकारियों का यह संगत दायित्व होगा कि वे उपरोक्त मार्गदर्शी सिद्धांत (9) और (10) में उल्लिखित दशा में सबसेसाधारण को सूचित करें। जबकि दलालों के विज्ञापन के मार्गदर्शी सिद्धांत स्टाक एक्स्चेंज प्राधिकारियों पर यह सीधा उत्तरदायित्व सौंपत है कि वे ऐसे विज्ञापनों के निराक्षण और नियमन का अतिरिक्त कार्य निष्पादित करेंगे। इस प्रयोजन के लिए स्टाक एक्स्चेंज प्राधिकारी प्रशासकीय व्यवस्था स्थापित करने के लिए अपेक्षित होंगे।

I, hitherto known as KUSHASAN KUAR S/o Late DAI-LARI KUAR, employed as Fitter Skilled in the Gun & Snell Fy., Cossapore, Calcutta-2, residing at the 13 No., K. C. Road, C/o Lakhan Sahu, Calcutta-4, have changed my name and shall hereafter be known as KUSHASAN KUANAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KUSHASAN KUER  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as HAJISAB MUDDAPUR S/o BADSHA MUDDAPUR, employed as Workman in the Indal Aluminium Factory of Belgaum, residing at the Indal Colony, J-286, Belgaum, Karnataka State, have changed my name and shall hereafter be known as HAJISAB S/o BADSHA JAMADAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

HAJISAB MUDDAPUR  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as Sri BHUPAL, T. No. A. 794, S/o Late MOHAN LAL SANTRA, employed as Black Smith Gr. I in the C & W Workshop, E. Rly., Liluan, Howrah, residing at the P.O. & Vill. Manaspur, P.S. Chnsurah, Distt. Hooghly, have changed my name and shall hereafter be known as Sri BHUPAL SANTRA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

SRI BHUPAL  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as NET RAM BALMIKI S/o Shri BUDH SINGH, employed as Lower Division Clerk in the M.K.I.O. (M.P. Dte.), Survey of India, Dehra Dun, residing at the 208/2 Ambedkar Colony, D. L. Road, Dehra Dun, have changed my name and shall hereafter be known as NET RAM MACHAL.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NET RAM BALMIKI  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as MOOL CHANDRA S/o Shri JAG MOHAN PRASAD MISHRA, employed as L.D.C. in the Vehicle Factory, Jabalpur, residing at the House No. 1774, Ganga-Maiya, P.O. Vehicle Factory, Jabalpur-482 009 (M.P.), have changed my name and shall hereafter be known as MOOL CHANDRA MISHRA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

MOOL CHANDRA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as NAR BAHADUR THAPA S/o Late JIT BAHADUR RANA, employed as Constable in the 76 Bn., BSF, residing at Ganounagar, Dist. Cooch Behar (W.B.) have changed my name and shall hereafter be known as NAR BAHADUR RANA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAR BAHADUR THAPA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as BASAPPA SHIVAPPA ROGI S/o Shri SHIVAPPA RAMAPPA ROGI, residing at Sri Basappa Shivappa Rogi, at & Post Khavatkopp, Taluk Athani, District Belgum, have changed my surname and shall hereafter be known as BASAPPA S/o SHIVAPPA RODAGI.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

BASAPPA SHIVAPPA ROGI  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as FULCHAND DHADU BAGADE S/o DHADU BAGADE, employed as Fitter/SK F.S. No. 1775, T. No. 64, DH Section in the Ordnance Factory, Bhandara, residing at Sawari (Jawaharnagar, Bhandara, have changed my name and shall hereafter be known as DEWACHAND DHADU BAGADE.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

FULCHAND DHADU BAGADE  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as SANTOO S/o RAM BADAN, employed as Machanist D.H.S./12 in the Metal & Steel Factory, Ishapur Section, D.H.S./12, Post Nawabganj, Distt. 24-Paraganas (North), residing at the H/o Rajbansh, Shaw, Maniktala, Post Ichapur-Nawabganj, Distt. 24-Paraganas (N), have changed my name and shall hereafter be known as SANTOO JAISWARA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

SANTOO  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as HAREKRISHNA BAIRAGI S/o Late NILMANI DAS, employed as Khalasi Helper, T/No. 20581 in the Shop No. 20, Eastern Railway, Kanchrapara, residing at C/o Sri Manik Bhattacharjee, 53, Workshop Road, P.O. Kanchrapara, Distt. 24 Paraganas (North), West Bengal, Pin 743 145, have changed my name and shall hereafter be known as HARE KRISHNA DAS.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

HAREKRISHNA BAIRAGI  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as KAILASH KUMAR DHANGER S/o Shri RAJA RAM DHANGER, employed as U.D.C. in the Government of India, Ministry of Defence, Vehicle Factory, Jabalpur, M.P. residing at H. No. 1798/43-C, Hirde Nagar, Gupteshwar, Jabalpur, M.P., have changed my surname and shall hereafter be known as KAILASH KUMAR YADAV.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KAILASH KUMAR DHANGER  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as GOUR S/o Late HARI GOPAL BANERJEE, employed as Cx w. Workshop, E. Rly., LLH, Howrah in the Carpenter I, M.R. Shop, T. No. 212, residing at Nabadwip Dham, Nadia, have changed my name and shall hereafter be known as GOUR CHANDRA BANERJEE.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

GOUR  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as DAL CHAND S/o Shri BABU RAM JAIN, as a student in the Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi, residing at the 206, Katwaria Sarai, New Delhi-110 016 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK JAIN.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

DAL CHAND  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as V. KUTTAN S/o Shri O. K. SHANKARAN NAIK, employed as Defence Civilian (Peon) in INS Garuda, Naval Base, Kochi-4, residing at Vakkun House, Thrikkadiri P.O., Ottapalam, Palakkad Distt., have changed my name and shall hereafter be known as V. VIJAYA-KUMAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

V. KUTTAN  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as OGEPPA S/o SIDDAPPA KARANI, employed as Primary School Teacher in the K.B.M.P.S. Devar-Nimbargi, residing at Devar-Nimbargi, Taluka Indi, District Bijapur, have changed my name and shall hereafter be known as OGEPPA SIDDAPPA BIRADAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

OGEPPA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as RAMENDRA CHANDRA BISWAS S/o Late KANAK CHANDRA BISWAS, employed as Examiner in QC (Shell) Section, bearing T. No. 437, in the Gun & Shell Factory, Cossipore, Calcutta-2, residing at P. O. & Vill. Samabya Pally, Bally, Distt. Howrah, Pin No. 711 205, have changed my name and shall hereafter be known as RAMENDRA CHANDRA CHATTERJEE.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

RAMENDRA CHANDRA BISWAS  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as LAXMI CHAND S/o Shri CHINT RAM, employed as Senior Telecom Office Asstt. (G) in the office of Telecom. Distt. Engineer, Hamirpur (HP), residing at Vill. Tambri, P.O. Jhabola, Teh. Ghumarwin, District Bilaspur (H.P.), have changed my name and shall hereafter be known as LAXMI KANT.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

LAXMI CHAND  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as KAILASH PRASAD S/o Late SUKDEV SHARMA, employed as Tech. Gr. II (Rigger), Mech. Maint. II in the DTPS, DVC, residing at Qrs. No. G-23/B, New Colony, Durgapur-7, Distt. Burdwan, have changed my name and shall hereafter be known as KAILASH PRASAD SHARMA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KAILASH PRASAD  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as KRISHNA S/o Late S. L. RAGHU REDDY, employed as Tech. Gr. III (Rigger), Mech. Maint. II in the DTPS, DVC, residing at Qrs. No. PS-5/3, Old Colony, Durgapur-7, Distt. Burdwan, have changed my name and shall hereafter be known as S. L. KRISHNA REDDY.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KRISHNA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as E. R. HELEN GANAPATHY, W/o R. GANAPATHY, employed as Primary Teacher in the Kendriya Vidyalaya No. 11, Tambaram, Madras-600 046, residing at 147, Padmavathy Nagar, 4th Street, Selaiyur, Madras-600 073, have changed my name and shall hereafter be known as PUNITHA GANAPATHY.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

E. R. HELEN GANAPATHY  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as RAJNI NAYAR D/o Shri W. R. NAYAR, employed as Sr. Assistant, Post Partum Programme, Department of Obstetrics and Gynaecology, Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, residing at Quarter No. B II/23, Sector 12, PGI Campus, Chandigarh, have changed my name and shall hereafter be known as RAVINDRA TRIPATHI.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

RAJNI NAYAR  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as SAMSHED S/o Late RAFAT SK, employed as Peon in the office of IOW/RM/E. Rly./ Sealdah, residing at Vill. Sahapur, P.O. Diar Fotapur, Distt. Murshidabad, have changed my name and shall hereafter be known as SAMSHED SK.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

SAMSHED  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as SUNANDA CHAKRABORTY D/o Sri S. M. S. ALAM employed as TGT (Maths) Salipur in the Kendriya Vidyalaya, Surda (Ghatsila), residing at Sankerpur, P.S. Salipur, Distt. Cuttack, have changed my name and shall hereafter be known as SHAHEEN ANJUM.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

SUNANDA CHAKRABORTY  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as SUNITA, D/o Dr. K. K. SHARMA, employed as Dy. Director (QAD) in Shriram Institute for Industrial Research, residing at A-4, SRI Colony 19, University Road, Delhi-7, have changed my name and shall hereafter be known as VANDANA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

SUNITA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as SHIV DUTT S/o Shri RAM CHAND, employed as Clerk/Cashier in the Union Bank of India, Khari Baoli, Delhi, residing at CI/93, Nehru Vihar, Delhi-110 094, have changed my name and shall hereafter be known as SHIV DUTT GOHANIA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

SHIV DUTT  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as TULSIRAM VITTHAL PATIL S/o VITTHAL DAGADU PATIL, employed as Sr. M/c. Asstt. in Currency Note Press, Nashik Road, Maharashtra, residing at Kamatwade, CIDCO, Nashik-422 010, Tal. & Distt. Nashik, have changed my name and shall hereafter be known as TULSIRAM VITTHAL MATALE.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

TULSIRAM VITTHAL PATIL  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as LOK NATH S/o Shri BASANTLAL, employed as Sr. Auditor in the Office of the Principal Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay, residing at 6/2 Vishwakarma Colony, Saint Anthony Road, Kalina, Vidyanaagar, Bombay-98, have changed my name and shall hereafter be known as LOK NATH SHARMA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

LOK NATH  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as NARENDRA KUMAR BEHERA S/o GHANASHYAM BEHERA, employed as a Sr. Master Technician in the Hindustan Aeronautics Limited, Koraput Division Sunabeda-2, residing at Qr. No. E/25, HAL Township, Sunabeda-2, Distt. Koraput (Orissa), have changed my name and shall hereafter be known as RABINDRA KUMAR BEHERA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NARENDRA KUMAR BEHERA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as ANIL KUMAR MUKHERJEE S/o Late ANANTA KUMAR MUKHERJEE, employed as H./SK. Fitt. Gr. I, in the Eastern Rly. Plant Depot, Mughalsarai, residing at the Qrs. No. 1505 B. European Colony, Mughalsarai, have changed my name and shall hereafter be known as ANIL KUMAR KAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

ANIL KUMAR MUKHERJEE  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as BISMILLAH S/o Sri MOHD. IDRIS, employed as Sr. Inspector 'A' in the Hindustan Aeronautics Ltd., Lucknow, residing at 437/40KH/1 Bismilnagar, Ambergant, Lucknow, have changed my name and shall hereafter be known as TARIQ YUSUF KHAN.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

BISMILLAH  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as S. RAJAGOPALAN S/o R. SANTHANAM, employed as Telecom Office Assistant in the Department of Telecommunication, residing at 15 West Rock Fort, Trichy-2, Tamilnadu, have changed my name and shall hereafter be known as T. V. S. RAJAGOPALAN.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

S. RAJAGOPALAN  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as DANDU BAJARANNA KARRANNA S/o KARRANNA, employed as Belder in the Department of Telecommunications, residing at C/O Supren Mens Wear, Vatsalathai Naik Nagar, S. G. Earve Marg, Chennai, Bombay-400 071, have changed my name and shall hereafter be known as MASAPOGU BHUSHANAM KARRANNA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

DANDU BAJARANNA KARRANNA  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as T. R. ARUMUGAM S/o S. RATHINAM, employed as Senior Telegraph Master Incharge in the Telegraph Office, Ariyalur-621 704, residing at Sri Manivaman Kovil Street, Varanavasi Village & Post, Ariyalur Taluk, Pin-621 704, have changed my name and shall hereafter be known as T. R. ATHIMURUGAN.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

T. R. ARUMUGAM  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as RAJESH VEERMUTHU S/o Late Shri VEERMUTHU PERUMAL, employed as Labour (Un-Skilled), Ticket No. Y&E/402 in Ammunition Factory, Khadki, Pune-411 003, residing at 23, Chikhalwad, Koadki, Pune-411 003, have changed my name and shall hereafter be known as RAJA LAXMAN.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

RAJESH VEERMUTHU  
[Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as ARUN SWARUP BHATNAGAR S/o Shri D. N. S. BHATNAGAR, employed as Deputy Commissioner of Income-tax in the Ministry of Finance Government of India, residing at 501/1, Central Revenue Quarters, 15th Main Road, Anna Nagar (West), Madras-600 040, have changed my name and shall hereafter be known as ARUN S. BHATNAGAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

ARUN SWARUP BHATNAGAR  
[Signature (in existing old name)]

#### FORM NO. 155

(See Rule 329)

(Members Voluntary Winding-up)

Name of Company: M/s. GOPINATH MOHAN LAL PVT. LIMITED

(IN LIQUIDATION)

#### NOTICE CONVENING FINAL MEETING

Notice is hereby given pursuant of section 497 that a General Meeting of the members of the above-named company will be held at 19/92, Sarai Rohilla, Delhi-110 035, on the 9th day of April 1996 at 11.00 O' Clock in the forenoon for the purpose of having an account laid before them showing the manner in which the winding up has been conducted and the property of the company disposed of and of hearing any explanation that may be given by the liquidator and also of determining by a special resolution of the company/by a resolution of the Committee of Inspection, the manner in which the books, accounts and documents of the company and of the liquidator shall be disposed of.

Date this 22nd day of Feb. 1996.

Sd/-

MUKESH GUPTA  
Signature of the Liquidator

AMENDMENT TO BYE-LAWS OF BANGALORE STOCK EXCHANGE LIMITED BY THE COUNCIL OF MANAGEMENT ON 10-1-1994 AND APPROVED BY SEBI ON 17-1-1994 VIDE ITS LETTER NO. SMD/1/0317/94.

The following new bye-laws i.e., Bye-law Nos. 69A, 69B, 69C, 69D, 69E, 69F are inserted after the existing Bye-law No. 69 which reads as under :

#### 69 Evasion of Margin Requirements Forbidden.

A member shall not directly or indirectly enter into any arrangement or adopt any procedure for the purpose of evading or assisting in the evasion of the margin requirements prescribed under these Bye-laws and Regulations.

#### BARGAINS SUBJECT TO CAPITAL ADEQUACY REQUIREMENTS :

69A. The Capital Adequacy requirements shall consist of the following two components :—

##### (a) BASE MINIMUM CAPITAL :

An absolute minimum of Rs. 2 lakhs as a deposit with the Exchange shall be maintained by member brokers of the Exchange. This requirement is irrespective of the volume of business of an individual broker. The security deposit kept by the members in the exchanges as per Articles of Association shall form part of the base minimum capital.

#### FORM IN WHICH BASE MINIMUM CAPITAL TO BE MAINTAINED :

25% of the base minimum capital shall be maintained in cash with the Exchange. Another 25% shall remain in the form of a long term (3 years or more) fixed deposit with a bank on which the stock exchange has been given a completely unencumbered and unconditional lien. The remaining shall be maintained in the form of securities with a 30% margin. The portion of the base minimum capital in the form of securities, shall comprise securities standing in the name of members. The securities deposited in this regard shall be pledged in favour of the Exchange, with the member and the Exchange jointly apprising the companies concerned regarding the fact of pledges. The value of the securities shall be reviewed by the Exchange at least every two months keeping in view the market fluctuations and the Exchange can call for additional securities if necessary.

##### (b) ADDITIONAL OR OPTIONAL CAPITAL RELATED TO VOLUME OF BUSINESS :

The additional or optional capital required of a member shall at any point of time be such that together with the base minimum capital it is not less than 8% of the gross outstanding business in the Exchange. The gross outstanding business would mean aggregate of upto date sales and purchases by a member broker in all securities put together (including inter-client business not executed on the floor of the exchange) at any point of time during the current settlement.

Explanation :—No netting of sales and purchases made on behalf of clients will be permitted. However, sales and purchases made by the broker on his own behalf in the same security will be allowed to be netted and his exposure will be limited to the price differential.

The requirement of 8% of the gross outstanding business for base minimum capital together with the additional capital may be phased in the following manner :—

(a) A requirement of 3% being enforced from December 1, 1993.

(b) The requirement being enhanced to 5% from June 1, 1994.

(c) The requirement of full 8% being enforced from December 1, 1994.

On enforcement of full norms the "gross outstanding business" of a member at any point of time shall not exceed 12.5 times of his base and additional capital requirements.

On the outstanding business reaching 10 times base and additional capital, it shall be the responsibility of the member to intimate the exchange.

If, the outstanding business reaches 12.5 times base and additional capital the members shall not increase his outstanding business until additional capital has been brought into his business and the Stock Exchange is satisfied that the member could be allowed to trade further.

In the interim period in which the norms of 8% has not been enforced proportionate ratios would be applied.

#### (c) CALCULATION

The capital of a member shall be computed as follows :—

- Capital+Free Reserves.
- Less non-allowable assets viz.,
  - (a) Fixed Assets,
  - (b) Pledged Securities,
  - (c) Member's card,
  - (d) Non-allowable Securities,
  - (e) Bad Deliveries,
  - (f) Doubtful Debts and Advances,\*
  - (g) Prepaid Expenses,
  - (h) Intangible Assets,
  - (i) 30% of Marketable securities.

\*Explanation :—Includes debts/advances overdue for more than three months or given to Associates.

The members who do not maintain proper books of accounts or who do not submit copies of their audited accounts in the stipulated time shall be liable to be asked to deposit the additional capital in the form of cash with the Exchange. An auditor's certificate shall be submitted by each member every quarter indicating the net liquid capital with the member/s firm.

#### MARGIN REQUIREMENTS

69B. The Stock exchange shall suitably modify the daily, carry forward and renewal margins so as to ensure that the working capital of the members is not unduly locked up. However, the stock exchange shall continue to have the authority to impose suitable margins as per their judgement in the context of the market situation.

#### MONITORING REQUIREMENTS :

69C. It shall be the responsibility of the member to inform the exchange regarding compliance with the additional capital maintained in the business. It shall also be the duty of the member broker to intimate the stock exchange on reaching a gross outstanding position of 10 times his base and additional capital.

For every quarter (ending March 31, June 30, September 30 and December 31) from the date in which the capital adequacy norms come into force, the members who maintain the additional capital in their books, would have to furnish to the exchange an auditor's certification to the effect that the additional capital required as per the capital adequacy norms have been maintained in the business and that the member has complied with the requirement of informing the exchange on reaching the limits stated above. Such certificate will be provided within one month of the end of the quarter.

#### PENALTIES

69D. Failure to comply with the capital adequacy norms will invite penalties including fines and suspension from trading. Failure to inform the Stock Exchange on reaching the prescribed limits will also be punishable under the Bye-laws of the Stock Exchange.

#### BUSINESS EXEMPT FROM CAPITAL REQUIREMENTS

69E. Transactions in which the broker deposits delivery within 48 hours with the stock exchange/clearing house or a designated depository.

69F. The Council of Management shall have the power at their absolute discretion to increase from time to time such Base Minimum Capital payable by the members either on their own or as and when directed by SEBI in exercise of the powers under the provisions of Securities & Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-brokers) Rules and Regulation, 1992.

THE FOLLOWING NEW BYE-LAW NO. 216A IS INSERTED AFTER THE EXISTING BYE-LAW NO. 216 WHICH READS AS UNDER :

#### 216 Contract Notes

The contract notes rendered by members to non-members shall state that the 'contract' is subject to the Rules, Bye-laws and Regulations and Usages of the Exchange and subject to arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange and subject to the jurisdiction of the Courts in Bangalore. The contract notes shall not contain any provision inconsistent with the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange. The name or names of the member or members who is or are partner or partners or the sole proprietor of a firm shall be printed on the contract notes. The contract notes shall also be in such form as will provide that the words "Member of the Bangalore Stock Exchange", shall immediately follow the signature.

#### BROKERAGE & CONTRACT NOTES

216A. Member brokers shall issue the contract note for purchase/sale of securities to a client within 24 hours of the execution of the contract.

THE FOLLOWING NEW BYE-LAW NOS. 222A AND 222B ARE INSERTED AFTER THE EXISTING BYE-LAW NO. 222(a)(b)(c) WHICH READS AS UNDER :—

222(a) All contracts subject to the Rules, Bye-laws and Regulations.

All contracts made by a member for or with a non-member for the purchase or sale of securities in which dealings are permitted on the Exchange shall in all cases be deemed made subject to the Rules Bye-laws, Regulations and Usages of the Exchange which shall be a part of the terms and conditions of all such contracts and they shall be subject to the exercise by the Council of Management and the President of the powers with respect thereto vested in it or him by the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

#### 222(b) Performances of Contracts in Bangalore.

The delivery of all documents and papers and the payment in relation to all contracts referred in sub-clause (a) shall be within City of Bangalore and except when delivery is taken and given and payment made and received from and to the Clearing House through Clearing Member Banks as provided in these Bye-laws and Regulations the parties to all contracts shall be bound to take and give delivery and make and receive payment at the office of the member concerned within the Corporation area of the City of Bangalore.

#### 222(c) Contracts Subject to Bangalore Jurisdiction.

In case of all claims (whether admitted or not) differences and disputes arising out of or in relation to all contracts referred to in sub-clause (a) the parties concerned shall be deemed to have agreed and acknowledged that such contracts have been entered into and are to be performed within the City of Bangalore that they are subject to arbitration in accordance with the provisions relating to arbitration other than between members contained in these Bye-laws and Regulations and that they are subject to the jurisdiction of the Courts in Bangalore.

#### CLIENTS' MONEY

222A. It shall be compulsory for all Member brokers to keep the money of the clients in a separate account and their own money in a separate account. No payment for transactions in which the Member broker is taking a position as a principal will be allowed to be made from the client's

account. The above principles and the circumstances under which transfer from client's account to Member broker's account would be allowed are enumerated below :—

- (a) Member Broker to keep Accounts—Every member broker shall keep such books of accounts, as will be necessary, to show and distinguished in connection with his business as a member :—
  - (i) Moneys received from or on account of and moneys paid to or on account of each of his clients and,
  - (ii) the moneys received and the moneys paid on Member's own account.
- (b) Obligation to pay money into "clients accounts"—Every member broker who holds or receives money on account of a client shall forthwith pay such money to current or deposit account at bank to be kept in the name of the member in the title of which the word "clients" shall appear (hereinafter referred to as "clients account"). Member broker may keep one consolidated clients account for all the clients or accounts in the name of each client, as he thinks fit; provided that when a Member broker receives a cheque or draft representing in part money due to the Member, he shall pay the whole of such cheque or draft into the clients account and effect subsequent transfer as laid down in para d (ii).
- (c) What moneys to be paid into "clients account"—No money shall be paid into clients account other than :—
  - (i) money held or received on account of clients;
  - (ii) such money belonging to the Member as may be necessary for the purpose of opening or maintaining the account;
  - (iii) money for replacement of any sum which may by mistake or accident have been drawn from the account in contravention of para D given below;
  - (v) a cheque or draft received by the Member representing in part money belonging to the client and in part money due to the Member;
- (d) What moneys to be withdrawn from "clients account"—No money shall be drawn from clients account other than :—
  - (i) money properly required for payment to or on behalf of clients or for or towards payment or debt due to the Member from clients or money drawn on client's authority, or money in respect of which there is a liability of clients to the Member, provided that money so drawn shall not in any case exceed the total of the money so held for the time being for such each clients;
  - (ii) such money belonging to the Member as may have been paid into the client account para 1 C(ii) or 1 C(iv) given above;
  - (iii) money which may by mistake or accident have been paid into such account in contravention of para C above.
- (e) Right to lien set-off etc., not affected—Nothing in this para 1 shall deprive a Member broker of any recourse or right, whether by way of lien, set-off counter-claim charge or otherwise against moneys standing to the credit of clients account.

#### CLIENTS' SECURITIES

222B. It shall be compulsory for all Member brokers to keep separate accounts for client's securities and to keep such books of accounts, as may be necessary, to distinguish such securities from his/their own securities. Such accounts

for client's securities shall, inter-alia, provide for the following :—

- (a) Securities received for sale or kept pending delivery in the market;
- (b) Securities fully paid for, pending delivery to clients;
- (c) Securities received for transfer or sent for transfer by the Member, in the name of client or his nominee/s;
- (d) Securities that are fully paid for and are held in custody by the Member as security/margin etc. Proper authorization from client for the same shall be obtained by Member;
- (e) Fully paid for client's securities registered in the name of Member, if any, towards margin requirements etc.
- (f) Securities given on Vyaj-badla. Members shall obtain authorization from clients for the same.

THE FOLLOWING NEW BYE-LAWS I.E., 227(A)(a) & 227(A)(b) ARE INSERTED AFTER THE EXISTING BYE-LAW NO. 227 WHICH READS AS UNDER :—

#### 227 Margin

A member shall have the right to demand from his constituent the margin deposit he has to provide under these Bye-laws and Regulations in respect of the business done by him for such constituent. A member shall also have the right to demand an initial margin in cash and/or securities from his constituent before executing an order and/or to stipulate that the constituent shall make a margin deposit or furnish additional margin according to changes in market prices. The constituent shall when from time to time called upon to do so forthwith provide a margin deposit and/or furnish additional margin as required under these Bye-laws and Regulations in respect of the business done for him by and/or as agreed upon by him with the member concerned.

227A(a) Member brokers shall buy securities on behalf of client only on receipt of margin of minimum 20 percent on the price of the securities proposed to be purchased, unless the client already has an equivalent credit with the broker. Member may not, if they so desire, collect such a margin from Financial Institutions, Mutual Funds and FIIs.

227A(b) Member brokers shall sell securities on behalf of client only on receipt of a minimum margin of 20 percent on the price of securities proposed to be sold, unless the member has received the securities to be sold with valid transfer documents to his satisfaction prior to such sale. Member may not, if they so desire, collect such a margin from Financial Institutions, Mutual Funds and FIIs.

THE FOLLOWING NEW BYE-LAW NO. 230(c) IS INSERTED AFTER THE EXISTING BYE-LAW NOS. 230(a) AND 230(b) WHICH READ AS UNDER :—

#### 230(a) Delivery to Constituent.

In respect of a member buying securities on behalf of or selling his securities to a constituent whether residing in the City of Bangalore or outside the date on which he delivers such documents to the buying constituent direct or his Bankers or agents in Bangalore or draws a bill on the buying constituent through a Bank or sends an advice by post stating that the documents are ready for delivery shall be deemed to be the date of delivery to the buying constituent.

#### 230(b) Delivery to Non-resident Constituent.

If the constituency does not reside within the City of Bangalore and requests the member to give him delivery of the documents outside the City of Bangalore and the member complies with the constituent's request the delivery shall be deemed to be complete as soon as the member delivers the documents to his own or the constituent's bankers or agents in the City of Bangalore. Such banker or agent shall be deemed to receive the documents for and on behalf of the constituent. The contracts shall be deemed to be performed

on the due date if the member has within the due date delivered the documents to or drawn against them through the banker or agent in the City of Bangalore or posted the same in the City of Bangalore addressed to the constituent or advised the constituent by post that the documents are ready for delivery.

#### DELIVERY PAYMENT TO CONSTITUENT

230(c) Member brokers shall make payment to their clients or deliver the securities purchased within two working days of pay-out unless the client has requested otherwise. Stock Exchange shall issue a Press Release immediately after the pay-out.

THE FOLLOWING BYE-LAW NO. 231A IS INSERTED AFTER THE EXISTING BYE-LAW NO. 231 WHICH READS AS UNDER :—

#### 231. Constituent to deliver securities sold.

A constituent whether residing in the City of Bangalore or outside shall deliver to the member in the City of Bangalore by the due date any security which the member has sold for him or brought for him. The documents delivered must be valid, regular and in proper form and the delivery of any security sold for a constituent which the member is liable to deliver must be made in the Office of the member in the Corporation Area of the City of Bangalore in time to enable the member to comply with the provisions in these Bye-laws and Regulations relating to such delivery.

231A. In case of sales on behalf of clients, Member brokers shall be at liberty to close out the contract by effecting purchases if the client fails to deliver the securities sold with valid transfer documents within 48 hours of the contract note having been delivered or before delivery day (as fixed by Stock Exchange authorities for the concerned settlement period), whichever is earlier. Loss on the transaction, if any, will be deductible from the margin money of that client.

THE FOLLOWING NEW BYE-LAW NO 232A IS INSERTED AFTER THE EXISTING BYE-LAW NO. 232 WHICH READS AS UNDER :—

#### 232. Constituent to make payment.

A constituent whether residing in the City of Bangalore or outside shall pay to the member in the Office of the member in the City of Bangalore by the due date all sums which the constituent is bound to pay and when a member is liable to pay such sums on behalf of the constituent the payment must be made in the office of the members in the Corporation Area of the City of Bangalore atleast one business day previous to the date on which the member is required to make payment in compliance with the provisions in these Bye-laws and Regulations relating to such payment.

232A. In case of purchases on behalf of clients, Member brokers shall be at liberty to close out the transactions by selling the securities, incase the client fails to make the full payment to the Member broker for the execution of the contract within two days of contract note having been delivered for cash shares and seven days for specified shares or before pay-in day (as fixed by Stock Exchange for the concerned settlement period), whichever is earlier; unless the client already has an equivalent credit with the Member. The loss incurred in this regard, if any, will be met from the margin money of that client.

THE FOLLOWING SUB-CLAUSES I.E., 353(XIV) AND 353(XV) ARE INSERTED AFTER THE EXISTING CLAUSE 353(XIII) WHICH READS AS UNDER :—

#### 353(xiii) Brokerage Charge.

If he wilfully deviates from or evades or attempts to evade the Bye-laws and Regulations prescribed in these Bye-laws and Regulations;

#### PROHIBITIONS AND PENALTIES

353(xiv) If he fails to comply with Capital Adequacy Norms.

353(xv) If he fails to inform the Stock Exchange on reaching the prescribed limits of gross outstanding position 10 times in terms of his base and additional capital,

AMENDMENT TO BYE-LAWS OF BANGALORE STOCK EXCHANGE LIMITED AS APPROVED BY SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA ON 24-5-1994 VIDE ITS LETTER NO. SMD—1/3145/94

The following new Bye-laws i.e., 356A, 356B and 356C are inserted after the existing Bye-laws 356(a), 356(b) and 356(c) which read as under :—

356(a) The Council of Management may by a resolution require a member to suspend his business in part or in whole—

#### Prejudicial Business

- (i) When in the opinion of the Council of Management he conducts his business in a manner prejudicial to the Exchange by making purchases or sales of securities or offers to purchase or sell securities for the purpose of upsetting the equilibrium of the market or bringing about a condition of demoralisation in which prices will not fairly reflect market values; or

#### Unwarrantable Business

- (ii) When in the opinion of the Council of Management he engages in unwarrantable business or effects purchases or sales for his constituent's account or for any account in which is he directly or indirectly interested which purchases or sales are excessive in view of his constituent's or his own means and financial resources or in view of the market for such security; or

#### Unsatisfactory Financial Condition

- (iii) When in the opinion of the Council of Management he is in such financial condition that he cannot be permitted to do business with safety to his creditors or the Exchange.

#### Removal of Suspension

356(b) The suspension of business under sub-clause (a) shall continue until the member has been allowed by the Council of Management to resume business on his paying such deposit on doing such act or providing such thing as the Council of Management may by a resolution require within the time prescribed by such resolution.

#### Penalty for Contravention

356(c) A member who is required to suspend his business shall be expelled by the Council of Management if he acts in contravention of the provisions.

#### Scope and Functions of Disciplinary Committee

356(A) Where on the basis of information made available to it or a complaint received by it, in respect of matters referred to in Bye-Law 356B, the Council of Management is of opinion that an inquiry is required to be instituted against any member or any attorney/agent/authorised assistant/employee/sub-broker of a member, the council shall refer the case to the disciplinary committee and the disciplinary committee shall thereupon hold an inquiry and if the delinquent person is found guilty, impose any punishment/penalty/fine as it deems appropriate, provided that if the disciplinary committee is of the opinion that the delinquent person being a member of the Stock Exchange ought to be expelled from membership, the disciplinary committee shall report the result of the inquiry to the Council of Management with its recommendation.

356B. The Council of Management and/or the disciplinary committee shall exercise the following powers only after following the procedure prescribed in Bye-law 356C :—

- (i) to cancel the election and expel a member as provided in Article 6(g).
- (ii) to expel a member from Membership as provided in Article 10(C).
- (iii) to terminate the approval of an authorised assistant as provided in Article 37.

- (iv) to declare that a member shall not continue as such as provided in Article 76(a).
- (v) to expel any member from his membership as provided in Article 72.
- (vi) to suspend, expel or impose other consequences on a member as provided in Article 79(e).
- (vii) to expel or suspend and/or fine and/or censure and/or withdraw any of the membership rights of a member as provided in Article 80.
- (viii) to expel or suspend and/or fine and/or censure and/or warn a member or his attorney, agent, authorised assistant or employee as provided in Article 82.
- (ix) to impose any penalty on a member under Article 83.
- (x) to impose any of the modified penalties on a member as provided in Article 86(a).
- (xi) to impose any other punishment upon any member of the Stock Exchange, Authorised Agent, Brokers, Employees, Agents or attorneys as provided in the Bye-Laws/Articles of Association.

356C.

- (i) The Council shall cause charges to be framed against the member, authorised assistant, Executive Director, Attorney, Employee or other person as the case may be and have the same served on the person so charged along with a statement of imputations supporting the charges, a list of documents and witnesses proposed to be relied upon to prove the charges.
- (ii) The person on whom articles of charges, etc. as mentioned in clause (i) are served may give a reply in writing thereto within such time as may be specified by the Council. If he denies any/all of the articles of charge he shall furnish a list of documents and witnesses on which he relies upon his defence.
- (iii) If the person on whom the articles of charge are served denies all or any of the articles of charge, the Disciplinary Committee shall inquire into the matter.
- (iv) The Council or the President if authorised by the Council shall nominate a Presenting Officer to present the case in support of the articles of charges against the person charged before the Disciplinary Committee.
- (v) The Disciplinary Committee may sit and hear the matters referred to it, on such dates and at such times, as may be determined by its Chairman; who shall as far as possible take into consideration the convenience of all the parties while fixing the date and time of hearing, keeping in mind the need for expeditious disposal of the matters before the Disciplinary Committee.
- (vi) If any of the parties before the Disciplinary Committee fails to appear before it or co-operate in the inquiry, the Disciplinary Committee shall be entitled to proceed with the enquiry ex-parte and submit its report to the Council on the basis of the facts available before it.
- (vii) Any party before the Disciplinary Committee may defend himself before the Disciplinary Committee either himself personally or authorise, in writing any other person who shall be a member of the Bangalore Stock Exchange to represent him at the enquiry. He shall not be entitled to be represented by an advocate.
- (viii) The Disciplinary Committee shall regulate its own procedures while conducting the enquiry consistent with the principles of natural justice.
- (ix) The Disciplinary Committee shall hear the Presenting Officer and the person charged or his authorised representative, summon and examine witnesses cited by the Presenting Officer and on behalf of the defence, summon such other witnesses, documents

and records as it deems necessary for deciding the issues raised before it and consider all the material placed on record and after considering all the facts of the case. Pass an order in writing giving its conclusion as to the truth or otherwise of the charges framed and the punishment imposed on the delinquent persons. Provided that in the case of a member of the Stock Exchange if it is proposed to award the punishment of expulsion from the membership of the Stock Exchange, the Disciplinary Committee shall submit its report to the council with its conclusion as to the truth or otherwise of the charges framed and its recommendations in regard to the punishment to be imposed.

In the event of disagreement among the members of the disciplinary committee dissenting members, if any, may submit his/their dissenting report with conclusions. A copy of the order/report as the case may be, shall be sent to all persons indicated.

- (x) The order of the disciplinary committee shall take effect immediately on its being delivered to the Stock Exchange. If the disciplinary committee submits a report recommending expulsion of any member the council shall notify the members indicated by the disciplinary committee and shall afford them a reasonable opportunity of being heard either in person or through a duly authorised representative before taking any decision or action upon the report of the disciplinary committee and pass an order either accepting the recommendation of the disciplinary committee and expel the member or impose any lesser punishment on the member. The decision of the council either unanimously or by simple majority shall be in writing and shall be communicated to the member concerned.
- (xi) When the council considers the report of the Disciplinary Committee, if any of the following persons are members of the Council :—
  - (i) any member of the Disciplinary Committee;
  - (ii) any person who is a party to or witness at the enquiry;
  - (iii) any person who has made a complaint or furnished information leading to the enquiry. He/they shall not be present at the time the Council considers the report of the Disciplinary Committee.
- (xii) The order of the Disciplinary Committee/Council of Management as the case may be shall be final and binding and shall not be open to question in any Court or before any authority on any ground.

AMENDMENT TO BYE-LAWS OF BANGALORE STOCK EXCHANGE LIMITED BY THE COUNCIL OF MANAGEMENT ON 16-7-1994 AND APPROVAL BY SEBI ON 31-10-1994 VIDE ITS LETTER NO. SMD/665/94.

The following clauses are inserted after the existing By-law No. 353(xi) which reads as under :—

#### Advertisement

353 (xi) If he advertises for business purposes or issues regularly circulars or other business communications to persons other than his own constituents, members of the Exchange, Banks and Joint Stock Companies or publishes pamphlets, circulars or any other literature or report of information relating to the stock markets in the public prints with his name attached.

353 (xi) 1. The content of advertisement forms, brochures, etc., should be related only to the nature of services that the stock broker can offer in respect of sales and purchases of shares and securities only. The advertisement should not contain recommendations regarding purchase or sale of any particular share or security of any company and/or any recommendation regarding any company.

353 (xi) 2. The advertisement can be published by a member broker individually or jointly with other member brokers so as to enable small brokers to pool their resources for publicity.



353 (xi) 3. The advertisement should mention the name title as recorded for the membership of the Stock Exchange alongwith the code number allotted by the Securities and Exchange Board of India. It can also include the names of the sub-brokers affiliated with the broker. The broker should also designate and authorise and name the authorised person in the publication to ensure the correctness of the information given in the advertisement and prior approval of the Stock Exchange should have been obtained in respect of such authorised person. The authorised person will be specifically responsible when two or more brokers jointly advertise for brokerage business.

353 (xi) 4.

- (a) The members should ensure that any information given in the advertisement must be correct and accurate and contain matters of objectively ascertainable facts which should be capable of substantiation.
- (b) It should not have any adverse reference direct or indirect regarding the reputation of the other members of the Stock Exchange and also of the Stock Exchange.
- (c) The advertisement should not contain anything which is otherwise prohibited for publication under the relevant Act, unwarranted, misleading information or make any promises. It will contain written words and shall not be assisted by any other visual such as photograph or drawing.

353(xi) 5. The advertisement should not include publicity for any party other than the member himself and it should not contain any reference to any person, firm or institution except as provided for in (2) and (3).

353(xi) 6. The member broker should not allow his or his firm's name to be advertised by others or allow his or firm's name to be published in the advertisement of others, except as provided for in guidelines (2) and (3).

353(xi) 7. The member brokers should submit a copy of the advertisement to the Stock Exchange authorities and Securities and Exchange Board of India as soon as it is published. The Exchange authorities will have the cease and desist powers in this behalf.

353(xi) 8. If a member broker violates any of the above guidelines for the advertisement he is liable to be penalised for the same by the Stock Exchange authorities and/or SEBI.

353 (xi) 9. If the Stock Exchange authorities levy any penalty or take any disciplinary action against member brokers, e.g., by way of suspension or declaring him as defaulter etc., it should be immediately made public by the Stock Exchange authorities and the concerned member broker should not advertise after being declared a defaulter.

353(xi) 10. As soon as the member broker sells his card or ceases to be an active stock broker, or there is a change in ownership of brokerage firm, the purchaser of the card or new firm should inform the same to the public immediately.

Once the permission for publication of advertisement for business is granted, there will be corresponding obligation on the Stock Exchange authorities to inform the public in respect of the events referred to in guidelines (9) and (10) mentioned above. While the guidelines for advertisement by brokers fix direct responsibility on the Stock Exchange authorities as they will have to perform additional activities of supervision and regulation of such advertisements. For this purpose the Stock Exchange authorities would be required to create administrative arrangements."

